



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 564]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 11, 1987/कार्तिक 20, 1909

No. 564]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 11, 1987/KARTIKA 20, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1987

अधिसूचना

का० प्रा० 981 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक
व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, कम्पनी कार्य विभाग, की अधिसूचना सं० का०

क्रा० 299 (अ), तारीख 26 मई, 1986 में, जिसका भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, कम्पनी कार्य विभाग, की अधिसूचना सं० का० क्रा० 16(अ) तारीख 13 जनवरी, 1987 द्वारा और संशोधन किया गया था, निम्नलिखित संशोधन करनी है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, घम सं० 72 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“73 प्रसाधन साबुन

15,000 टन प्रति वर्ष”

[सं० 5/31/85-एम० आई० (ii)]

सी० आर० सुन्दरराजन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 11th November, 1987

NOTIFICATION

S. O. 981 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following amendment to the Notification of Government of India in the Ministry of Industry, Department of Company Affairs, No. S. O. 299(E), dated the 26th May, 1986 as further amendment vide Government of India in the Ministry of Industry, Department of Company Affairs Notification No. S. O. 16 (F), dated the 13th January, 1987, namely :—

In the Schedule to the said Notification, after Serial No. 72 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

“73. Toilet Soap

1500 of tonnes per annum”

[No. 5/31/85-M.I. (ii)]

C. R. SUNDARARAJAN, Joint Secy.